

availability with the Centre during that month and the relative needs of the States. Rice supply position during August and September will continue to be difficult as availabilities during these lean months before the arrival of the new rice crop are also likely to be low.

(c) The State Governments are naturally unhappy at not getting the supplies of rice needed by them.

Freight Rates

*1654. Shri Virendrakumar Shah:
Shri Parthasarathy:
Shri G. S. Mishra:
Shri Nitiraj Singh Chaudhary:

Will the Minister of Transport and Shipping be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 621 on the 20th June, 1967 and state the result of the negotiations with the U.S. Shippers' Conference to make them revise and reduce their increased freight rates?

The Minister of Transport and Shipping (Dr. V. K. R. V. Rao): After further correspondence with the U.S. Shipping Conferences concerned and consultations with our Embassy in Washington, it has been found necessary to send a delegation to hold negotiations with the Conference in New York on the subject. The result will be known only after the negotiations, which are starting in New York next week, are completed.

सरकारी कर्मचारियों द्वारा सामान्य निर्वाचनों में भाग लिया जाना तथा कुछ मन्त्रियों द्वारा सरकारी शासन-तन्त्र का कथित दुरुपयोग किया जाना

*1655. श्री कंचर लाल गुप्त : क्या विधि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस घाशय की शिकायतें मिली हैं कि गत ग्राम चुनावों में सरकारी कर्मचारियों ने कतिपय दलों तथा अत्याशियों के लिये काम किया था ;

(ख) क्या सरकार को इस घाशय की शिकायतें भी मिली हैं कि कुछ मंत्रियों ने गत ग्राम चुनाव में सरकारी शासन-तन्त्र और अपने पदों का दुरुपयोग किया था ; और

(ग) यदि हां, तो सरकार ने उन शिकायतों के संबन्ध में क्या कार्यवाही की है ?

विधि मन्त्रालय में उपमन्त्री (श्री डा० रा० चव्हाण) : (क) और (ख) जी हां ।

(ग) जानकारी संकलित की जा रही है और यथासमय सदन के पटल पर रख दी जाएगी ।

निर्वाचन सम्बन्धी पुस्तिका

*1656. डा० सूर्य प्रकाश पुरी :
श्री यशवन्त सिंह कुशाबाहू :
श्री प्रकाशबीर शास्त्री :
श्री रामावतार शर्मा :
श्री धात्मबास :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री रघुबीर सिंह शास्त्री :
श्री शिवकुमार शास्त्री :
श्री कंचर लाल गुप्त :

क्या विधि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले ग्राम चुनावों में भाग लेने वाले प्रत्याशियों के मार्गदर्शन के लिए निर्वाचित प्रायोग ने निर्वाचन संबंधी कोई पुस्तिका प्रकाशित नहीं कराई ; और

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण थे ?

विधि मन्त्रालय में उपमन्त्री (श्री डा० रा० चव्हाण) : (क) जी हां ।